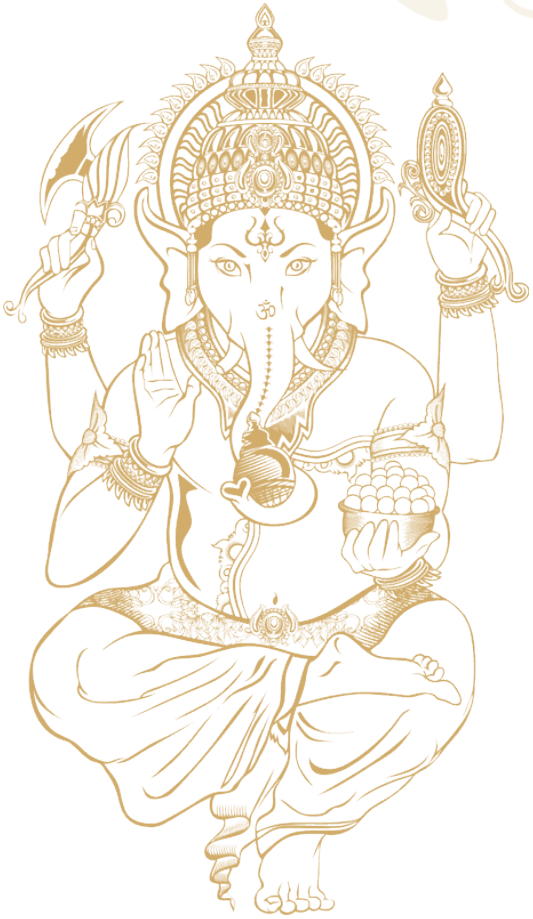

Amit

29 Jan 1986

04:23 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121514103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/01/1986**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:23:00 घंटे**
इष्ट	53:01:25 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:03:48 घंटे
वेलान्तर	-00:12:56 घंटे
साम्पातिक काल	12:35:25 घंटे
सूर्योदय	07:10:25 घंटे
सूर्यास्त	17:54:04 घंटे
दिनमान	10:43:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:04:13 मकर
लग्न के अंश	01:44:58 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शोभन
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	01:44:58	324:47:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मक	15:04:13	01:00:56	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	20:53:29	13:30:21	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	03:46:52	00:35:40	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध		अ	मक	12:54:51	01:41:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	00:54:45	00:14:08	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	मक	17:17:46	01:15:21	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	14:03:45	00:04:35	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	10:10:19	00:08:14	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	10:10:19	00:08:14	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	27:18:49	00:02:45	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	10:55:29	00:01:58	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	13:39:59	00:00:24	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कन्या	15:58:31	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:37

लग्न-चलित

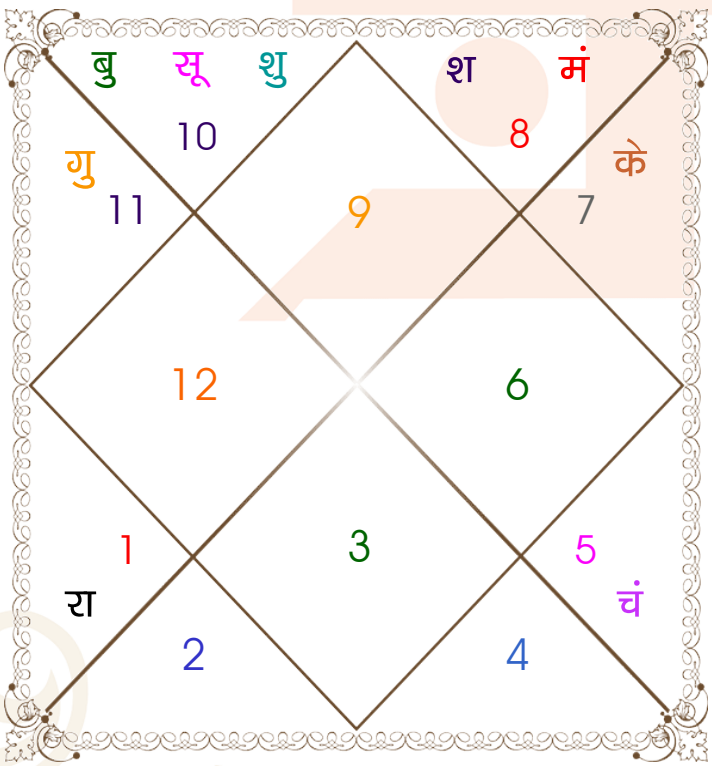

चन्द्र कुंडली

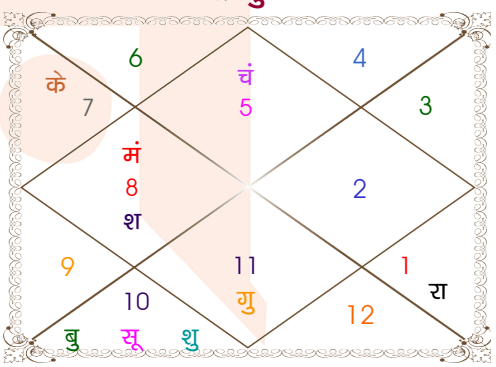

नवमांश कुंडली

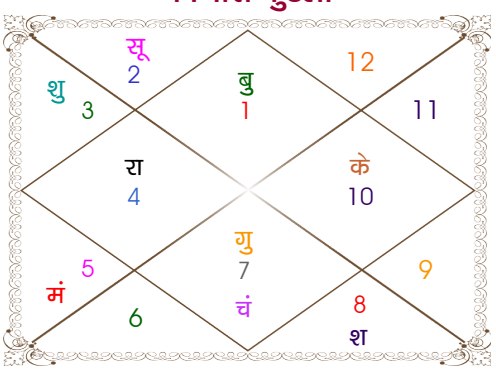

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 7 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/01/1986		28/09/1994		27/09/2000		28/09/2010		27/09/2017	
28/09/1994		27/09/2000		28/09/2010		27/09/2017		28/09/2035	
	00/00/0000	सूर्य	15/01/1995	चंद्र	29/07/2001	मंगल	24/02/2011	राहु	10/06/2020
	00/00/0000	चंद्र	17/07/1995	मंगल	27/02/2002	राहु	13/03/2012	गुरु	03/11/2022
	00/00/0000	मंगल	22/11/1995	राहु	29/08/2003	गुरु	17/02/2013	शनि	09/09/2025
	00/00/0000	राहु	15/10/1996	गुरु	28/12/2004	शनि	29/03/2014	बुध	29/03/2028
	29/01/1986	गुरु	04/08/1997	शनि	29/07/2006	बुध	26/03/2015	केतु	16/04/2029
गुरु	29/07/1987	शनि	17/07/1998	बुध	28/12/2007	केतु	22/08/2015	शुक्र	16/04/2032
शनि	28/09/1990	बुध	23/05/1999	केतु	28/07/2008	शुक्र	22/10/2016	सूर्य	11/03/2033
बुध	29/07/1993	केतु	28/09/1999	शुक्र	29/03/2010	सूर्य	26/02/2017	चंद्र	09/09/2034
केतु	28/09/1994	शुक्र	27/09/2000	सूर्य	28/09/2010	चंद्र	27/09/2017	मंगल	28/09/2035

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/09/2035		28/09/2051		28/09/2070		28/09/2087		28/09/2094	
28/09/2051		28/09/2070		28/09/2087		28/09/2094		00/00/0000	
गुरु	15/11/2037	शनि	01/10/2054	बुध	23/02/2073	केतु	24/02/2088	शुक्र	27/01/2098
शनि	28/05/2040	बुध	10/06/2057	केतु	21/02/2074	शुक्र	25/04/2089	सूर्य	27/01/2099
बुध	03/09/2042	केतु	20/07/2058	शुक्र	21/12/2076	सूर्य	31/08/2089	चंद्र	28/09/2100
केतु	10/08/2043	शुक्र	18/09/2061	सूर्य	28/10/2077	चंद्र	01/04/2090	मंगल	28/11/2101
शुक्र	10/04/2046	सूर्य	31/08/2062	चंद्र	29/03/2079	मंगल	28/08/2090	राहु	28/11/2104
सूर्य	27/01/2047	चंद्र	01/04/2064	मंगल	26/03/2080	राहु	16/09/2091	गुरु	30/01/2106
चंद्र	28/05/2048	मंगल	10/05/2065	राहु	13/10/2082	गुरु	22/08/2092		00/00/0000
मंगल	04/05/2049	राहु	16/03/2068	गुरु	18/01/2085	शनि	01/10/2093		00/00/0000
राहु	28/09/2051	गुरु	28/09/2070	शनि	28/09/2087	बुध	28/09/2094		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 7 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।